श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

जेएसएलपीएस की कम्युनिटी योजना ने बदल दी महिला की तकदीर

सोलर आधारित लिफ्ट इरिगेशन से लहलहायी फसल, खर्च का झंझट नहीं

प्रतिनिधि, जामा

जामा प्रखंड के मुरलीचक गांव में किसान राधिका देवी की खेती सिर्फ आजीविका नहीं, बल्कि संघर्ष की कहानी भी है. कभी बारिश का इंतजार और डीजल के बढ़ते खर्च ने उनके खेतों को बंजर होने की कगार पर ला दिया था, लेकिन राज्य सरकार और जेएसएलपीएस की समुदाय प्रबंधित सूक्ष्म सिंचाई योजना ने परिस्थितियों को इस कदर बदल दिया कि आज राधिका देवी गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गयी हैं. पहले जहां राधिका देवी मानसून पर निर्भर रहती थीं, वहीं अब उनके खेतों में सोलर आधारित लिफ्ट इरिगेशन लगातार पानी पहुंचा रहा है.

उन्होंने कहा कि पहले फसल का भरोसा भगवान पर था, अब मेहनत पर है. सिंचाई के लिए न डीजल का झंझट, न मोटर की चिंता. बस धूप निकलती है और खेतों में पानी बहने लगता है. लिफ्ट इरिगेशन लगने के बाद राधिका देवी ने 2 एकड़ खेत को पूरे वर्ष हरा-भरा रखने का संकल्प लिया. जहां एक समय एक ही फसल मुश्किल से होती थी, वहीं आज तीनों मौसम खरीफ, रबी और जायद में उनकी जमीन सोना उगल रही है. धान, गेहूं, मक्का, सरसों और सब्जियों की खेती से उनकी सालाना आय अब लगातार बढ़ रही है. इस वर्ष उन्होंने खरीफ में 47 हजार, रबी में 53 हजार और जायद में सब्जियों से 18 हजार रुपये की आमदनी अर्जित की है. राधिका देवी बताती हैं कि यह बढ़ी हुई आय सिर्फ आमदनी नहीं है, बल्कि आत्मविश्वास है. इसी हौसले के साथ वे अब अपने परिवार के लिए पक्का घर बनाने की योजना तैयार कर रही हैं. दिलचस्प बात यह है कि जामा प्रखंड में लिफ्ट इरिगेशन अब एक बड़े बदलाव का माध्यम बन चुका है. जेएसएलपीएस के अनुसार प्रखंड में 116 साइट्स पर काम पूरा हो चुका है, जिनसे 2135 किसान सीधे लाभ उठा रहे हैं और लगभग 1840 एकड़ जमीन सिंचित हो रही है. पानी की उपलब्धता बढ़ने से खेती किसानी मजबूत हुई है और पलायन में उल्लेखनीय कमी आयी है. मुरलीचक की राधिका देवी की कहानी इस बात का सबूत है कि जब तकनीक, सरकार और समुदाय एक दिशा में कदम बढ़ाते हैं, तो ग्रामीण क्षेत्र भी विकास की नयी इबारत लिख सकते हैं.

राधिका देवी के खेतों में लहलहाती फसल और पटवन के लिए बहता पानी.

आइएफसी परियोजना के तहत लेयर फॉर्मिंग से अंडा उत्पादन की शुरुआत

संवाददाता, दुमका

गोपीकांदर प्रखंड में ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जेएसएलपीएस द्वारा संचालित आइएफसी परियोजना के तहत पीपरजोरिया, गड़ियापानी और मझडीहा गांवों में लेयर फार्मिंग के माध्यम से अंडा उत्पादन की शुरुआत की गयी है. इस पहल से स्थानीय महिलाओं को सतत एवं बेहतर आय के अवसर मिलेंगे. परियोजना के प्रथम चरण में तीन महिला किसानों के साथ मिलकर बी.वी.-300 नस्ल की 100 मुर्गियों पर आधारित लेयर फार्मिंग यूनिट स्थापित की गयी है. लाभुकों के यहां शेड एवं केज निर्माण पूरी तरह से संपन्न कर लिया गया है तथा चूजों का पालन शुरू होने के साथ ही अब यूनिट में अंडा उत्पादन भी प्रारंभ हो चुका है. ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, परिवार की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने और स्थानीय बाजार में गुणवत्तापूर्ण अंडे की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से यह परियोजना अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है. आइएफसी मॉडल के तहत महिलाओं को तकनीकी मार्गदर्शन, उचित बाजार संपर्क, फीड प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएं तथा उत्पादन बढ़ाने के वैज्ञानिक तरीके उपलब्ध कराए जा रहे हैं. परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि लेयर फार्मिंग की यह पहल न केवल महिलाओं को कृषि आधारित वैकल्पिक रोजगार प्रदान कर रही है, बल्कि भविष्य में अधिक समूहों को जोड़कर इसे व्यापक स्तर पर विस्तार देने की योजना भी है. इससे गोपीकांदर क्षेत्र में अंडा उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों को मजबूती मिलेगी.

लेयर फॉर्मिंग दिखाती महिला.

सरस फूड फेस्टिवल में झारखंड के व्यंजनों की हुई सराहना, सम्मानित की गयी दीदियां

प्रतिनिधि, सिमडेगा

नयी दिल्ली सुंदर नर्सरी के समीप आयोजित सरस फूड फेस्टिवल 2025 में ठेठईटांगर प्रखंड के उद्यमी दीदियों द्वारा लगाये गये व्यंजनों के स्टॉल की सराहना की गयी.

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में अतिथियों ने उन्हें सम्मानित किया. फूड फेस्टिवल 29 नवंबर से नौ दिसंबर 2025 तक आयोजित हुआ, जिसमें देशभर से आये स्वयं सहायता समूहों ने पारंपरिक व्यंजनों की अनूठी झलक प्रस्तुत की. इसमें झारखंड के सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर प्रखंड से तथा रांची व गुमला जैसे जिलों से दीदियों द्वारा स्टॉल लगाया गया था. स्टॉल पर उपलब्ध व्यंजन व उत्पाद ने बड़ी संख्या में आगंतुकों का दिल जीता और झारखंडी व्यंजनों की लोकप्रियता को राष्ट्रीय मंच पर नयी पहचान दिलायी. समापन समारोह के दौरान माननीय केंद्रीय मंत्री समेत विशिष्ट अतिथियों ने झारखंड के सिमडेगा, रांची, गुमला जैसे जिलों से आए समूहों के स्टॉल का भ्रमण भी किया. उन्होंने दीदियों की मेहनत, परंपरागत पाक-कला और उत्पादों की गुणवत्ता की विशेष सराहना की. दीदियों द्वारा बनाये गये व्यंजनों की मांग फेस्टिवल के अंतिम दिनों तक बनी रही.

समारोह के अंत में झारखंड की सहभागी महिलाओं को उनके उत्कृष्ट प्रयास और पारंपरिक व्यंजनों के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान के लिए संयुक्त सचिव एवं अवर सचिव भारत सरकार द्वारा मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया.

सम्मानित होती दीदियां.

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

संक्षिप्त समाचार

मांडू : जेंडर अभियान के तहत महिला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मांडू (प्रातःआवाज)। मांडू प्रखंड के बसंतपुर सीएफ मांडू चट्टी पंचायत अंतर्गत जेंडर अभियान 4.0 के तहत महिला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला हिंसा रोकथाम लैंगिक समानता को बढ़ावा देना तथा समुदाय में सकारात्मक संदेश का प्रसार करना था। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने कई गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें जेंडर प्रतिज्ञा सांप सीढ़ी का खेल, कुर्सी रेस, चेयर बिस्किट रेस, तीन पैर का खेल की प्रस्तुतियां शामिल थी। मांडू प्रखंड से आई महिलाओं ने शपथ लिए की घर में बेटा हो या बेटी दोनों को एक सम्मान देंगे। किसी के साथ भेदभाव नहीं करेंगे और 18 वर्ष पूरा होने के बाद ही लड़की का शादी करेंगे। बाल विवाह नहीं करेंगे। महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचार को एकजुट होकर सामना करेंगे। गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में ही प्रसव करवाएंगे। मांडूडीह के उप मुखिया सीता देवी एवं बीपीओ भास्कर महापात्रा की उपस्थिति में प्रतिभागियों को इनाम दिया गया। मौके पर सीएफ के कैडर और मांडूडीह मांडू चट्टी पंचायत की सैकड़ों महिलाएं उपस्थित हुईं।

रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या

लिट्टीपाड़ा के गुतु गलांग कल्याण ट्रस्ट को कृषि एवं पोषण के क्षेत्र में राष्ट्रीय सम्मान

संवाददाता, पाकुड़

गुतु गलांग कल्याण ट्रस्ट को सम्मानित करते अधिकारी.

पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा में संचालित गुतु गलांग कल्याण ट्रस्ट को कृषि एवं पोषण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. महिला नेतृत्व वाली किसान उत्पादक कंपनी (एफपीओ) को यह पुरस्कार श्रेष्ठ मार्केट लायजन एवं फॉरवर्ड लिंकेज चैंपियन अवार्ड के रूप में नेशनल न्यूट्रिशन एवं बायोफोर्टिफिकेशन स्केलिंग वर्कशॉप, नई दिल्ली में प्रदान किया गया. इस कार्यशाला का आयोजन हार्वेस्टप्लस सॉल्यूशंस द्वारा किया गया था. गुतु गलांग कल्याण ट्रस्ट को यह सम्मान किसानों को बाजार से सशक्त जोड़ने, टिकाऊ कृषि मूल्य श्रृंखला मजबूत करने, एवं बायोफोर्टिफाइड फसलों के सफल संवर्धन एवं प्रसार में उनके योगदान के लिए दिया गया है. एफपीओ द्वारा जिंक युक्त गेहूं, कैल्शियम युक्त फिंगर मिलेट, जिंक युक्त धान और आयरन युक्त पर्ल मिलेट का सफल उत्पादन एवं वितरण किया जा रहा है, जिससे जिले के हजारों किसान प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं. साथ ही, इस पहल के तहत पीवीटीजी समुदाय के बच्चों के बीच बायोफोर्टिफाइड न्यूट्री-कुकीज के माध्यम से कुपोषण के विरुद्ध प्रभावी कार्य भी किया गया है. विशेष रूप से, यह एफपीओ पीवीटीजी महिलाओं द्वारा संचालित है, जो महिला सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन और छुपे हुए भूख के विरुद्ध महिलाओं की सशक्त भूमिका का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है. उपायुक्त मनीष कुमार ने गुतु गलांग कल्याण ट्रस्ट की सभी कर्मठ महिलाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी. साथ ही, उन्होंने जेएसएलपीएस डीपीएम एवं उनकी पूरी टीम को भी बधाई दी. इस उपलब्धि ने न केवल महिलाओं की सशक्त भूमिका को उजागर किया है, बल्कि पाकुड़ जिले एवं झारखंड राज्य के लिए भी गर्व का विषय साबित हुई है. यह उपलब्धि गुतु गलांग कल्याण ट्रस्ट, पाकुड़ जिला एवं झारखंड राज्य के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है.

महिला किसानों में किया गया चना बीज का वितरण

मसलिया. प्रखंड क्षेत्र रांगा पंचायत अंतर्गत गोवासोल गांव में जेएसएलपीएस की सखी मंडल की महिलाओं के बीच रबी फसल का बीज वितरण किया गया. बीटीएम श्यामसुंदर सिंह की उपस्थिति में बीज का वितरण किया गया. बीटीएम श्यामसुंदर सिंह ने बताया कि इस पंचायत के कुल समूह की 75 महिलाओं के बीच खाद्य सुरक्षा मिशन योजना प्लस के तहत 360 किलोग्राम चना बीज का वितरण किया गया. इससे समूह की दीदी खेती कर अपना आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकेगी. बीटीएम श्री सिंह ने उपस्थित दीदियों को लगाने की विधि बताया. बीज को पंक्ति विधि से लगाने, डोलोमाइट खाद का प्रयोग, बीजोपचार सहित कई प्रकार की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि दी गयी जानकारी के अनुसार खेती में प्रयोग किया जाय तो उत्पादन अधिक होगा.

श्री हेमन्त सोरेन
मानननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

मंझला चुंबा पंचायत भवन में जेंडर अभियान 4.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सिरका (प्रात: आवाज)। मांडू प्रखंड के बुमरी क्लस्टर अंतर्गत मंझला चुंबा पंचायत भवन के प्रांगण में जेंडर अभियान 4.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की भूमिका को सशक्त करना तथा बाल विवाह, दहेज

प्रथा, घरेलू हिंसा और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न जैसे सामाजिक मुद्दों पर जन-जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कबड्डी, सांप-सीढ़ी और कुर्सी दौड़ जैसे खेलकूद एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे महिलाओं में जागरूकता के साथ-साथ आत्मविश्वास का विकास हो सके। कार्यक्रम में चारों पंचायतों से सैकड़ों महिला एवं पुरुषों ने भाग लेकर जागरूकता अभियान को सफल बनाया। इस अवसर पर मंझला चुंबा पंचायत की मुखिया लक्ष्मी देवी, बड़का चुम्बा पंचायत के मुखिया राजेंद्र कुशवाहा, ओरला पंचायत की मुखिया गुड़िया देवी, बुमरी पंचायत के मुखिया करण बेदिया, मुखिया प्रतिनिधि बब्लू साव, जेएसएलपीएस के सीसी राजपति महतो, पीआरपी सुनीता देवी, क्लस्टर अध्यक्ष शीला देवी, कोषाध्यक्ष उषा देवी, लेखपाल सुमन देवी, जीसीआरपी मीना गुप्ता सहित सरस्वती देवी, सरिता देवी, पूजा कुमारी आदि उपस्थित थे।

उद्यान विभाग व झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी ने शुरू की पहल

बागनल में स्ट्रॉबेरी की खेती की शुरुआत

किसानों की बढ़ेगी आमदनी

सखी मंडल की दीदियों के बीच बंटा बीज

मसलिया. भालका o कोलारकोंदा गांवों में जेएसएलपीएस के सखी मंडल से जुड़ी दीदियों के बीच रबी फसल के तहत चना के बीज का वितरण किया गया. वितरण बीटीएम श्यामसुंदर सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ.बीटीएम ने दलहन के फसलों की सफल खेती के संबंध में दीदियों को विस्तृत जानकारी दी. बताया कि वैज्ञानिक तरीके से खेती करने से उत्पादन बढ़ाया जा सकता है. इससे किसानों की आय में वृद्धि होती है. उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे के महत्व, खेत की उर्वरता बढ़ाने के लिए डोलोमाइट के प्रयोग, किसान क्रेडिट कार्ड, कुसुम योजना व किसान समृद्धि योजनाओं की भी जानकारी दी. बीटीएम ने चना की खेती की विधि पर भी विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने दीदियों को बीज को पंक्ति विधि से बोने की सलाह दी. समय पर सिंचाई, निराई–गुड़ाई एवं संतुलित खाद के उपयोग पर जोर दिया.

नई चेतना अभियान के तहत दिलाई गई शपथ

शपथ लेती महिलाएं व अन्य● जागरण

संस, जागरण● मेदिनीनगर (पलामू)। मनातू थाना परिसर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नई चेतना लिंग आधारित हिंसा के विरोध अभियान के तहत शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित पुलिसकर्मियों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं आम लोगों को लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने और इसका विरोध करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान जीसीआरपी एसडी मंजुषा, एसडी सोनी, लक्ष्मी एवं प्रियंका उपस्थित रहीं। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ होने वाली हिंसा समाज के लिए गंभीर चुनौती है, जिसे समाप्त करने के लिए पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि लोगों को जागरूक कर हिंसा के मामलों को रोकना है।

पलाश
(झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रोमोशन सोसाईटी)
ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

www.jslps.in @onlineJSLPS
@JSLPSlive @online.JSLPS

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

महिलाओं को नारगंजो का कराया भ्रमण, मिली मड़ुआ खेती की ट्रेनिंग

प्रतिनिधि, बासुकिनाथ

मड़ुआ उत्पाद से केक, लड्डू बनाने की जानकारी लेती समूह की महिलाएं.

ट्रिकल अप इंडिया फाउंडेशन ने सिल पौष्टिक व ग्राम साथी संस्था द्वारा संचालित एमपावर्ड परियोजना के तहत 19 स्वयं सहायता हेतु समूह को मड़ुआ खेती की ट्रेनिंग दी गयी. एक्सपोजर भ्रमण के लिए जरमुंडी प्रखंड के तेतरिया क्लस्टर के नारगंजो गांव का भ्रमण कराया गया. यह भ्रमण मां दुर्गा आजीविका सखी मंडल में कराया गया. बता दें कि पूर्व से दुर्गा आजीविका सखी मंडल की सदस्य मड़ुआ से विभिन्न उत्पाद जैसे कुकीज, लड्डू, केक इत्यादि बनाती हैं. बाजार में बेचती हैं. सदस्यों ने बताया कि वो मड़ुआ लड्डू की अधिक बिक्री करती हैं. वो इनकी बिक्री आसपास के गांव, पलाश मार्ट, देवघर, विभिन्न मेला इत्यादि स्थानों पर करती हैं. परियोजना परियोजना प्रबंधक मुकेश कुमार गुप्ता ने भ्रमण का उद्देश्य बताया. इस दौरान मार्केट, ब्रांडिंग, पैकेजिंग व उत्पाद गुणवत्ता की जानकारी दी गयी. परियोजना प्रतिभागी अपने लघु व्यवसाय को वृहद पैमाने पर ले जा सकेंगी, जिससे उनके आय में वृद्धि होगी, निरंतर आजीविका की ओर आगे बढ़ेंगी. इस दौरान जेएसएलपीएस, बीडीएमजी भवेश यादव ने बताया कि व्यवसाय को बढ़ाना, बिक्री बढ़ाने, उत्पाद गुणवत्ता को सुनिश्चित करने में सहयोग करते हैं. मौके पर समुदाय समन्वयक राजेंद्र यादव, आइपीआरपी बसंती कुमारी, सोनी देवी अध्यक्ष व क्षेत्र समन्वयक रुपेश कुमार, शिवानंद शिवम आदि मौजूद थे.

आजीविका के लिए महिलाओं को किया जागरूक

मयूरहंड. प्रखंड सह अंचल कार्यालय में गुरुवार को पलाश द्वारा एसवीइपी कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य रूप से डीएमपी नागेश्वर कुमार शामिल हुए. कार्यक्रम में जेएसएलपीएस समूह से जुड़ी महिलाओं को गैर कृषि उद्यमी से जोड़कर आजीविका को आगे बढ़ाने के लिए जागरूक किया गया. मौके पर बीपीएम पंकज गुप्ता, सीसी शिवकुमार, आइपीआरपी सबिता राणा, इम्नेश लिंडा, शांति देवी, सभी बैंक सखी, एफएलसीआरपी समेत कई लोग उपस्थित थे.

Friday, December 19, 2025
Chatra
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/6944546fb7261318f824051c

सखी मंडल को मिला बीमा का सहारा, पति के निधन के बाद मिला 2 लाख का क्लेम

भास्कर न्यूज | बहरागोड़ा

जेएसएलपीएस से जुड़ी मां मनसा आजीविका सखी मंडल, ग्राम लालसाह की सदस्य पुष्पा दलाई को कठिन समय में बड़ी राहत मिली है। पति के निधन के बाद लंबित पड़े प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना व प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना का क्लेम स्वीकृत होने पर उन्हें दो लाख रुपए की बीमा राशि प्रदान की गई। बताया गया कि पुष्पा दलाई पिछले छह वर्षों से सखी मंडल से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने सखी मंडल की पहल पर स्वयं और अपने पति शिव शंकर दलाई का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा व जीवन सुरक्षा बीमा कराया था, जिसका वार्षिक प्रीमियम मात्र 436 रुपए पंजाब नेशनल बैंक, शाखा जगन्नाथपुर में जमा किया गया था। 6 नवंबर 2024 को लंबी बीमारी के कारण उनके पति का निधन हो गया था। इसके बाद बीमा क्लेम की प्रक्रिया शुरू की गई, लेकिन तकनीकी कारणों से यह मामला लगभग एक वर्ष से लंबित था। पीएनबी शाखा प्रबंधक एड्रीयन आईंद, जेएसएलपीएस के बीपीएम नियाज आहमेद , तथा बैंक सखी बनश्री माईती के सहयोग से सभी आवश्यक कागजी प्रक्रियाएं पूरी कराई गईं। इनके प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया और 18 दिसंबर 2025 को पंजाब नेशनल बैंक, जगन्नाथपुर में आयोजित एक सादे समारोह में बीमा राशि का भुगतान किया गया।

बीमा राशि प्राप्त करते समय पुष्पा दलाई की आंखें भर आईं। उन्होंने बताया कि इस कठिन समय में यह राशि मेरे परिवार के लिए एक बड़ा सहारा बनेगी। उन्होंने अन्य लोगों से भी बीमा योजना से जुड़ने की अपील की, ताकि विपत्ति के समय परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

पलाश

(झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रोमोशन सोसाईटी)
ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

www.jslps.in
@onlineJSLPS
@JSLPSlive
@online.JSLPS

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

नई चेतना 4.0 के तहत दुलाडीह में खेलों के माध्यम से जेंडर जागरूकता अभियान

संवाददाता/जामताड़ा/रिपब्लिक नेशन। जामताड़ा जिला के जामताड़ा सदर प्रखंड अंतर्गत दुलाडीह संकुल के रानीगंज ग्राउंड में नई चेतना 4.0 जेंडर अभियान के तहत महिलाओं को सामाजिक एवं लैंगिक समानता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कबड्डी एवं फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस विशेष आयोजन में मेझिया ग्राम संगठन, दुलाडीह ग्राम संगठन तथा रानीगंज ग्राम संगठन की महिला टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में मेझिया ग्राम संगठन की टीम ने फुटबॉल में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय हासिल की, वहीं कबड्डी मुकाबले में रानीगंज ग्राम संगठन की टीम विजेता रही। खेलों के माध्यम से महिलाओं के बीच टीम भावना, सहयोग, आत्मविश्वास और समान अधिकारों का प्रभावी संदेश दिया गया। कार्यक्रम के आयोजन में सामुदायिक समन्वयक इकबाल अहमद की अहम भूमिका रही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेल गतिविधियां महिलाओं के सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम हैं। इससे महिलाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता और आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि नई चेतना 4.0 अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि महिलाओं को समाज में समान भागीदारी के लिए प्रेरित करना है।

इस आयोजन में सखी मंडल की महिलाओं, जेंडर सीआरपी, सक्रिय महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। खेलों के दौरान महिलाओं का उत्साह देखते ही बनता था। उन्होंने खेल के माध्यम से जेंडर समानता, आपसी सम्मान और सामूहिक सशक्तिकरण के संदेश को सहज रूप से आत्मसात किया।

आयोजन के सफल समापन पर प्रतिभागियों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल मनोरंजन प्रदान करते हैं, बल्कि महिलाओं को संगठित होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं। इस पहल से महिलाओं में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और एकजुटता का संचार हुआ।

राज्य स्तर पर सम्मानित हुईं पायल बाउरी, हिंसा पीड़ित महिलाओं की आवाज बनकर लिख रहीं सफलता की कहानी

बानो में पलाश दीदी कैफे का उदघाटन

बानो. बानो प्रखंड कार्यालय परिसर में जेएसएलपीएस के माध्यम से पलाश दीदी कैफे का उदघाटन प्रमुख सुधीर डांग, मुखिया विश्वनाथ बड़ाइक व बीडीओ नइमुद्दीन अंसारी ने किया. यह पलाश दीदी कैफे जारकेल कि सोनी आजीविका स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित किया जा रहा है. इन दीदियों को इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट ब्राम्बे, रांची द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है. प्रखंड कार्यालय परिसर में पलाश दीदी कैफे खुलने से ब्लॉक कार्यालय से काम करने वाले सभी कर्मचारियों को और ब्लॉक कार्यालय में आने वाले सभी प्रखंड वासियों को अब खाना खाने के लिए दूर जाना नहीं पड़ेगा. प्रखंड परिसर में ही अब उन्हें किफायती दर में खाना मिल पायेगा. कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों ने खाना, सजावट और साफ सफाई की तारीफ करते हुए दीदियों को नये बिजनेस की शुरुआत के लिए बधाई दी.

गुमला में बने पलाश के खाद्य उत्पाद व रागी से बने पदार्थ का स्टॉल दिल्ली में लगाया गया

गुमला की आदिवासी महिलाओं की मेहनत ने लाया रंग, लोग खूब कर रहे हैं पसंद

कभी अपने गांव तक सीमित रहने वाली गुमला जिले की महिलाएं आज अपने हुनर और आत्मविश्वास के बल पर देश की राजधानी तक पहुंच रही हैं। यह केवल एक प्रदर्शनी में भागीदारी नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता सम्मान और नए सपनों की ओर बढ़ता एक मजबूत कदम है। महिला सशक्तिकरण को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों का ही परिणाम है कि गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड अंतर्गत वन धन विकास केंद्र, सेरका आज नई दिल्ली स्थित दिल्ली हाट, आईएनए में आयोजित "आदि बाजार" में 16 से 31 दिसंबर तक अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है। इस राष्ट्रीय मंच पर गुमला की पहचान लेकर पहुंची हैं बसंती देवी, जो वन धन विकास केंद्र सेरका की सदस्य हैं। बसंती देवी अपने साथ केवल उत्पाद नहीं, बल्कि गुमला की मिट्टी की खुशबू, जंगलों की सादगी और महिलाओं की मेहनत की कहानी भी दिल्ली ले गई हैं। प्रदर्शनी में उनके माध्यम से पलाश से बने खाद्य उत्पाद, पौष्टिक रागी उत्पाद और सुगंधित लेमन ग्रास उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं, जिन्हें जिले की महिलाओं ने अपने हाथों से तैयार किया है। यह सहभागिता उन सैकड़ों महिलाओं की उम्मीदों का प्रतीक है, जो अब अपने हुनर को पहचान दिलाते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। जिला प्रशासन का निरंतर सहयोग महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर दे रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन कर रही हैं। गुमला की महिलाएं आज यह साबित कर रही हैं कि अवसर और विश्वास मिले तो गांवों से भी राष्ट्रीय मंच तक की दूरी तय की जा सकती है। यह यात्रा केवल दिल्ली तक नहीं, बल्कि एक सशक्त और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर है।

श्री हेमन्त सोरेन
मानमीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

पीड़ित महिला की जीआरसी से की जायेगी मदद

सारठ. जेएसएलपीएस के तत्वावधान में सारठ प्रखंड परिसर स्थित जेंडर रिसोर्स सेंटर (जीआरसी) में लैंगिक समानता को लेकर आयोजित अभियान में सभी को शपथ दिलायी गयी. इस अवसर पर दीपक कुमार राजहंस ने बताया कि आज महिलाएं सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो रही हैं. इसके बावजूद भी ग्रामीण क्षेत्रों में रुढ़िवादी परंपराओं के कारण महिलाओं का शोषण व अधिकारों का दोहन किया जा रहा है. मौके पर पारा लीगल सोफिया मिर्जा, बागवानी सखी राजिया मिर्जा, जेंडर सीआरपी चुमकी पंडित, फूल कुमारी टुडू, कमल नारायण सिंह, डाटा ऑपरेटर बुद्धदेव आदि मौजूद थे.

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में मशरूम प्रशिक्षण का समापन, स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

स्वरोजगार कर अपनी आर्थिक स्थिति को काफी मजबूत कर सकते हैं: शिव कुमार

भास्कर न्यूज | [illegible]

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में पिछले दस दिनों से चल रहे मशरूम प्रशिक्षण का समापन सोमवार को किया गया। जेएसएलपीएस के बीपीएम शिव कुमार उपाध्याय, बजेश दुबे संस्था के फैकल्टी मिथिलेश कुमार सिंह और पंकज कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से लोगों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया। इस मौके पर शिव कुमार उपाध्याय ने कहा कि आप सभी लोग स्वरोजगार करने के लिए घर से निकल कर प्रशिक्षण संस्थान में पहुंचे हैं। आप सभी लोगों को मशरूम उत्पादन से संबंधित सभी तरह की जानकारी संस्था की ओर से दी गई है। आप ट्रेनिंग का लाभ उठाएं। स्वरोजगार के लिए राशि की कमी नहीं होगी। जेएसएलपीएस आपको मदद करने को तैयार है। आज मशरूम की डिमांड काफी बढ़ी है। आप इस क्षेत्र में स्वरोजगार कर अपनी आर्थिक स्थिति को काफी मजबूत कर सकते हैं। फैकल्टी मिथिलेश कुमार सिंह ने कहा कि संस्था बेरोजगार युवक-युवतियों को निःशुल्क प्रशिक्षण देने का काम करता है। जिनकी उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच की है और वे खुद का स्वरोजगार करना चाहते हैं। वैसे लोग संस्था में आवेदन कर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संस्था की ओर से अलग ट्रेनिंग दिया जाएगा। जो लोग इस क्षेत्र में ट्रेनिंग लेना चाहते हैं वे संस्था में आकर निःशुल्क ट्रेनिंग प्राप्त कर सकते हैं। पंकज कुमार वर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लोगों को मशरूम उत्पादन से संबंधित उन्नत बीज चयन, कम्पोस्ट तैयार करने, मशरूम शेड निर्माण, उत्पादन, नमी प्रबंधन, पैकेजिंग और विपणन से संबंधित व्यावहारिक जानकारी दी गई है। जिसका लाभ आप सभी लोग को स्वरोजगार करने के दौरान मिलेगा। इस अवसर पर सद्दाम अली, अभिषेक तिवारी, सुरेंद्र रवि, प्रद्युम्न, प्रेम नाथ सहित कई लोग उपस्थित थे।

नयी चेतना अभियान के तहत निकाली गयी रैली

सारठ. लगवा क्लस्टर अंतर्गत आसनबनी पंचायत अंतर्गत गांवों में जेंडर सीआरपी सुभद्रा दत्ता के नेतृत्व में राष्ट्रीय अभियान नयी चेतना 4.0 के तहत समूह से जुड़ी दीदियों को स्वास्थ्य शपत दिलायी गयी. इस दौरान गांव में जागरुकता रैली निकाल कर महिलाओं को घरेलू हिंसा के प्रति जागरूक किया. साथ ही लैंगिग समानता पर बल देते हुए कहा कि अब समय महिलाओं को आगे आने से होना चाहिए, कहा कि उनके क्लस्टर में सैकड़ों महिलायें आज समूह के माध्यम से स्वावलंबन की ओर अग्रसर है. कहा कि आज महिलाओं को उनके अधिकार के प्रति जागरुकता लाने में जेएसएलपीएस की भूमिका महत्वपूर्ण साबित हो रही है. हजारों हजार महिला समूह के माध्यम से गांवों को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं. साथ ही ऋण लेकर स्वयं व्यवसाय कर रही हैं.

श्री हेमन्त सोरेन
मानवीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

नई चेतना 4.0 अभियान के तहत थाना परिसर में जेंडर की शपथग्रहण

सोनाहातू : नई चेतना 4.0 अभियान के तहत थाना परिसर में जेंडर की शपथ ली।प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सुनील कुमार राणा के नेतृत्व में जेंडर शपथ तथा रैली का आयोजन किया गया।थाना प्रभारी प्रेम प्रदीप कुमार, एएसआई राकेश कुमार, जेएसएलपीएस के हीरालाल महतो, ललित कुमार, लखिन्द्र मुंडा, लतिका देवी, बीएपी, पीआरपी, तथा सभी पंचायत के जेंडर सीआरपी ने मिलकर जेंडर की शपथ ली। महिलाओं के हिंसा के विरुद्ध जागरूकता रैली कार्यक्रम किया गया।कार्यक्रम में ग्रामीण समुदाय की महिलाओं की सुरक्षा सम्मान, सामान्य, सुरक्षित आवागमन और हिंसा मुक्त समाज का संदेश पहुंचाने की संकल्प लिया गया। महिलाओं की सुरक्षा आवागमन तब बनेगी जब समाज हिंसा मुक्त हो।रैली के दौरान महिलाओं को नई चेतना 4.0 अभियान के मुख्य बिंदुओं के बारे में जानकारी दी गई। लिंग आधारित हिंसा को रोकना,महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा महिलाओं का सुरक्षित आवागमन महिलाओं के घर के अंदर और घर के बाहर आर्थिक योगदान की पहचान करना,महिला के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में समुदाय हिंसा मुक्त और नई चेतना जेंडर नेशनल कैंपिंग अभियान नई चेतना के बारे में जानकारी दी गई सभी वर्गों के समाज में हो रहे हिंसा,बाल विवाह,बाल श्रम,महिला तस्करी, घरेलू हिंसा,कन्या भ्रूण हत्या जैसे हिंसा एवं जागरूकता पर जानकारी दी गई। प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सुनील कुमार राणा ने कहा कि सभी पंचायत में जेंडर सीआरपी द्वारा सामाजिक कुरुतियों एवं हिंसा के खिलाफ लड़ने का काम कर रहे है यह कार्य काफी सराहनीय है।

श्री हेमन्त सोरेन
मानानीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

Kudu Marks a New Chapter in Livelihood : Three Livelihood Support Centers Inaugurated under Integrated Agriculture Cluster

Correspondent

Kudu (Lohardaga): In a major initiative to strengthen, sustain, and diversify rural livelihoods, three Livelihood Support Centers were formally inaugurated under the Integrated Agriculture Cluster in Kudu block. This step aims to boost the rural economy and empower farmers, livestock rearers, and women associated with self-help groups, marking a milestone in promoting self-reliance. The newly inaugurated centers include: Nimaldhara Integrated Agriculture Cluster, Chandlasi Koyal Barna Integrated Agriculture Cluster, Ranheya Integrated Agriculture Cluster, Vishramgarh. The primary objective of these centers is to promote livelihood activities in agriculture, horticulture, animal husbandry, fisheries, and forest produce in an integrated manner. Each cluster will focus on 250–300 selected farmers, ensuring sustained income growth for a large number of rural households. Through these centers, self-help group women and other beneficiaries will have access to: High-quality agricultural inputs Livestock vaccination services Small hatcheries Storage facilities Modern agricultural machinery Additionally, the centers will provide entrepreneurship models and support producer groups, creating self-employment opportunities and strengthening rural livelihoods for economic self-reliance. The inauguration program was attended by the Pradhan, Up-Pradhan, and ward members of all three panchayats, along with representatives from the Jharkhand State Livelihood Promotion Committee, including Block Program Manager Shubham Kumar, Technical Support Officer Vivek Kumar Gautam, CEO of Chalhapani Women Farmer Producer Company Muskan Shabnam, and technical staff Shiv Kumar Ram, Bisheshwar Singh, Sugreev Saw, among others. Around 350 women beneficiaries and a large number of villagers were present at the event. During the program, Block Program Manager Shubham Kumar stated that this initiative would be highly beneficial for farmers, livestock rearers, and self-help groups. It would promote women's economic empowerment and strengthen the integrated livelihood development model in rural areas. The villagers expressed great enthusiasm and welcomed it as a new beginning for the development of Kudu block.

जागरूकता के लिए महिलाओं के बीच कबड्डी मैच का आयोजन

राहे। प्रखंड के जेएसएलपीएस विभाग के द्वारा लिंग आधारित असमानता के विरुद्ध जागरूकता अभियान के तहत महिला कबड्डी खेल प्रतियोगिता का आयोजन डोमनडीह स्कूल मैदान में किया गया। कबड्डी मैच में राहे, डोकाद एवं लोवाहातू क्लस्टर की महिलाओं के बीच खेल हुआ। जिसमें डोकाद क्लस्टर की टीम विजेता हुई एवं राहे क्लस्टर की टीम उपविजेता हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख लीलमानि देवी उपस्थित होकर महिलाओं के सम्मान की बात कही एवं महिला खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। कार्यक्रम बीपीएम शिव बहादुर सहित सीआरपीएस, विभाग के सदस्य मौजूद थे।

श्री हेमन्त सोरेन
मानानीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

सोनपुर में पलाश उत्तम कृषि प्रसंस्करण केंद्र का उद्घाटन, किसानों और महिलाओं को मिलेगा सीधा लाभ

#पलाश #कृषि_विकास : सोनपुर गांव में कृषि प्रसंस्करण केंद्र की शुरुआत से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली।

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

बायो रिसोर्स सेंटर का निरीक्षण, दिये निर्देश

प्रतिनिधि, मसलिया

पौधा संरक्षण के लिए तैयार किया जा रहा जैविक खाद

प्रखंड के आईएफसी क्लस्टर दलाही अंतर्गत आगैयाजोरी गांव में शनिवार को उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने बायो रिसोर्स सेंटर का निरीक्षण किया. गांव में निर्मित बायो रिसोर्स सेंटर में किसानों के लिए पुनर्जीवी पद्धतियों के माध्यम से पौधा संरक्षण हेतु जैविक खाद का निर्माण किया जा रहा है. डीडीसी ने बायो रिसोर्स सेंटर की संचालक दीदी लाभुक बिटीनी सोरेन से केंद्र से संबंधित मूलभूत जानकारियां ली. उन्होंने दीदी को प्रोत्साहित करते हुए इस कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने का निर्देश दिया. बाद में जेएसएलपीएस की वीना देवी द्वारा संचालित दीदी का ढाबा का भी निरीक्षण किया गया. इस दौरान ढाबा को और आकर्षक ढंग से सजाने, मीनू कार्ड रखने का सुझाव दिया गया तथा दीदी से ढाबा संचालन में होने वाली आय-व्यय की जानकारी ली गयी. उप विकास आयुक्त ने प्रखंड कार्यालय में मईयां सिलाई सेंटर से जुड़ी

निरीक्षण के दौरान निर्देश देते डीडीसी अनिकेत सचान.

दीदियों से भी बातों की और योजना से संबंधित सभी विषयों पर विस्तृत जानकारी दी. दीदियों की शंकाओं का मौके पर ही समाधान किया गया. बायो रिसोर्स सेंटर में उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला किसानों को पर्यावरण अनुकूल कीट प्रबंधन तकनीकों से अवगत कराना है. बैंगन, मिर्च, चना एवं मटर की खेती से जुड़ी महिला दीदियों को अन्य जैविक इनपुट्स के उपयोग की व्यावहारिक जानकारी भी दी गयी. मौके पर बीडीओ मो अजफर हसनैन, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक नवीन कुमार श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार शर्मा, शिवधन सोरेन, उर्मिला मुर्मू, श्रीकांत शर्मा, लीनाधारी टुडू एवं सखी मंडल की दीदियां उपस्थित थी. इसके पश्चात उप विकास आयुक्त ने सापचाला पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया.

राजकीय कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेड़वारी में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता रैली निकाली गई

✦ बाल विवाह करने पर कानूनी कारवाई किया जाता है और सजा के साथ साथ जुर्माना का भी प्रवधान है जिस पर विस्तार पूर्वक बताया गया।

देश प्राण संवाददाता

चुरचू : राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालयबेड़वारी में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर बच्चों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाया गया, साथ ही रंगोली बनाया गया। बाल विवाह के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया।

बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है जो बच्चों की शिक्षा सुरक्षा स्वास्थ्य और विकास में बाधा है। बाल विवाह करने पर कानूनी कारवाई किया जाता है और सजा के साथ साथ जुर्माना का भी प्रावधान है जिस पर विस्तार पूर्वक बताया गया। उसके बाद हिंसा के चक्र के बारे में भी बताया गया। जेंडर सीआरपी के द्वारा गांव-गांव में दीवार लेखन रंगोली एवं रैली के माध्यम से सुरक्षा ऑडिट, खेल कहानी से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों को जागरूक किया जा रहा है, महिलाओं को उनका हक एवं अधिकार के बारे में बताया जा रहा है साथ में महिलाओं को सम्मानता का दर्जा कैसे मिले, इसके बारे में जागरूक किया जा रहा है। और बताया गया कि कानून में तो समानता का दर्जा दिया गया है लेकिन आज भी समाज और परिवार में महिलाओं को समानता का दर्जा नहीं मिलता है, आज भी महिलाओं के साथ शारीरिक हिंसा मानसिक और आर्थिक हिंसा एवं लैंगिक हिंसा किया जाता है इन हिंसा को कैसे दूर करना है और अगर हिंसा हो रही है तो उसे समाधान कैसे करना है जिसके बारे में बतलाकर छोटी और बड़ी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि महिला दिन भर अपने कामों में रहती है लेकिन फिर भी उनका उन पहचानों का नाम होता है तो आज भी उन्हें पहचानी नहीं दिया जाता है।

महिलाओं को उनका हक एवं अधिकार कैसे मिले महिलाओं को उनकी पहचान कैसे मिले, और बताया कि महिला तो आर्थिक योगदान करने के रूप में काम करती है लेकिन उसकी कोई पहचान नहीं है उसे उसकी पहचान मिलना चाहिए, इसके बारे में जागरूक किया जा रहा है।

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

लेयर बर्ड शेड व मुर्गी पालन का बीडीओ ने लिया जायजा

लेयर बर्ड शेड एवं मुर्गी पालन योजना का निरीक्षण करते बीडीओ एवं अन्य अधिकारी.

प्रतिनिधि, गोपीकांदर

गोपीकांदर प्रखंड में आइएफसी परियोजना के तहत संचालित लेयर बर्ड शेड, केज व मुर्गी पालन योजना का सोमवार को बीडीओ विजय प्रकाश मरांडी ने निरीक्षण किया. यह योजना अंडा उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलायी जा रही है. बीडीओ ने गाड़ियापानी व पीपरजोड़िया में संचालित मुर्गी पालन इकाइयों का निरीक्षण किया, जहां बीवी-300 नस्ल की मुर्गियों का पालन अंडा उत्पादन के लिए किया जा रहा है. इस दौरान बीडीओ ने शेड की स्थिति, केज व्यवस्था, मुर्गियों के रख-रखाव, चारा, स्वच्छता व अंडा उत्पादन से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया. बीडीओ के साथ प्रखंड कल्याण पदाधिकारी विशाल कुमार व जेएसएलपीएस के बीपीएम निरंजन मिश्रा भी उपस्थित थे. अधिकारियों ने लाभुकों को योजना का समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा नियमित देखभाल पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया. कहा कि इस तरह की योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं. आर्थिक सशक्तीकरण को बल मिल रहा है.

दुमका में बासलोई महिला पोल्ट्री प्रोड्यूसर कंपनी की पहली फीड मिल स्थापित, मंगलवार को उद्घाटन के साथ संचालन होगा प्रारंभ

कुक्कुट व्यवसाय को मिलेगी गति, सशक्त बनेंगी महिलाएं

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग
झारखण्ड

मीडिया की नजर में...

आयोजन. पुराने डाकबांग्ला व पूर्व एसएसबी कैंप परिसर में सांसद, विधायक व अन्य ने बांटी परिसंपत्तियां

नारगंज में फीड मिल व पीएचसी का उद्घाटन

महिला किसानों ने मिश्रित खेती को बनाया आमदनी का जरिया

महिला किसानों ने मिश्रित खेती को बनाया आमदनी का जरिया

जेंडर कैंपिंग के दौरान जेंडर रिसोर्स सेंटर में नई चेतना 4.0 के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया

पलाश
(झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रोमोशन सोसाईटी)
ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

www.jslps.in
@onlineJSLPS
@JSLPSlive
@online.JSLPS